3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS1011 (MAJOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.

1. प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दशप्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधीयताम्। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃতে দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত *তিনটি* করে প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই লিখতে হবে।

'क' विभाग:

(a) 'द्विपेन्द्र:' पदस्यास्य कोऽर्थ:? 'द्विपेन्द्र:' किं न सहते?

(b) सीता कथं वाल्मीकिमुने: करुणापात्री?

(c) 'लक्ष्मणपूर्वजन्मा' क:? तव पाठ्यांशे प्रयुक्तं तस्य विशेषणद्वयं लिख्यताम्।

(d) संस्कृतप्रतिशब्द: लिख्यताम् — अमर्षण:, विग्ना।

(e) प्रकृति-प्रत्ययौ निरूप्येताम् — उपस्थित:, प्रमृज्य।

'ख' विभाग:

(f) 'किरातार्जुनीयम्' इति काव्यस्य टीकाकार: तस्य टीकाया: नाम च लिख्यताम्।

(g) युधिष्ठिरं प्रति वनेचरवाक्यं कीदृशमासीत्?

(h) कुरुदेशे कृषि: कीदृशी आसीत्?

(i) सन्धिविच्छेद: क्रियताम् — भवज्जिगीषया, गुणैरुपस्नुता।

(j) ''निराश्रया हन्त हता मनस्विता''-कमुद्दिश्य कस्या: उक्ति:? मनस्विता कदा निराश्रया सती हता भवति?

'ग' विभाग:

(k) रामायणम् इति महाकाव्यस्य रचनाकाल: क: ? तत्र कति श्लोका: विद्यन्ते ?

(l) महाभारतस्य कस्यचन टीकाकारस्य तस्य टीकायाश्च नाम लिख्यताम्।

(m) 'नैषधचरितम्' इति महाकाव्यस्य रचयिता क: ? तस्य पितरौ कौ स्त: ?

(n) ''माघे सन्ति त्रयो गुणा:'' इत्यत्र के त्रय: निर्दिष्टा: ?

(o) 'भट्टिकाव्यम्' कीदृशं काव्यम्? भट्टिकाव्यस्य रचनाया: मुख्यम् उद्देश्यं किम् आसीत् ?

2. अध:स्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णा* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा समाधीयताम्।

5×4=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে *দুটি* অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) अर्थ: लिख्यताम्।

अर्थ लेखो।

स शुश्रुवान् मातरि भार्गवेण पितुर्नियोगात् प्रहृतम् द्विषद्वत्।
प्रत्यग्रहीदग्रजशासनं तद् आज्ञा गुरूणां ह्यविचारणीया।।

(b) अर्थ: लिख्यताम्।

अर्थ लेखो।

अनेकराजन्यरथाश्वसङ्कुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम्।
नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मद:।।

(c) सप्रसंङ्गं व्याख्यायताम्।

সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো।

तथापि जिह्म: स भवज्जिगीषया तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यश:।
समुन्नयन् भूतिमनार्य्यसङ्गमाद् वरं विरोधोऽपि समं महात्मभि:।।

(d) भावसम्प्रसारणं कुरूत।

ভাবসম্প্রসারণ করো।

यशोधनानां हि यशो गरीय:

(e) महाभारतस्य रचनाकाल आलोच्यताम्।

মহাভারতের রচনাকাল আলোচনা করো।

(f) 'बुद्धचरितम्' इति महाकाव्यस्य रचयिता कः ? महाकाव्येस्मिन् कति सर्गाः विद्यन्ते ? अस्य महाकाव्यस्य विषयवस्तु समासतः आलोच्यताम्।

'বুদ্ধচরিতম্' মহাকাব্যের রচয়িতা কে? এই মহাকাব্যে কতগুলি সর্গ বিদ্যমান? এই মহাকাব্যের বিষয়বস্তু সংক্ষেপে আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचित् प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) "अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा"– अत्र वक्ता कः ? कमुद्दिश्य उक्तिरियम् ? वक्तुः वक्तव्यं यथाग्रन्थम् आलोचयत।

"অতোঽর্হসি ক্ষন্তুমসাধু সাধু বা"– আলোচ্য উক্তিটির বক্তা কে? কার উদ্দেশ্যে এই উক্তি? বক্তার বক্তব্য গ্রন্থানুসারে আলোচনা করো।

(b) 'रघुवंशम्' इति महाकाव्यस्य चतुर्दशसर्गम् अवलम्ब्य सीताविसर्जने रामचन्द्रेण प्रदर्शितानि कारणानि स्वभाषया पर्यालोच्यन्ताम्।

'রঘুবংশম্' এই মহাকাব্যের চতুর্দশ সর্গ অবলম্বনে সীতা বিসর্জনে রামচন্দ্র কর্তৃক প্রদর্শিত কারণসমূহ নিজের ভাষায় পর্যালোচনা করো।

(c) कालिदासरचितानि महाकाव्यानि आलोच्यन्ताम्।

কালিদাস বিরচিত মহাকাব্যগুলি আলোচনা করো।

(d) टीका लेख्या।

টীকা লেখো।

(i) भारविः

(ii) शिशुपालवधम्

---

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS1021 (MINOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया *प्रश्नत्रयं* स्वीकृत्य *दशप्रश्नानाम्* उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरी-लिपिमाश्रित्य समाधीयताम्। 2×10=20

विभाग-'क'

(a) युधिष्ठिरः वनेचरं किमर्थं नियुक्तवान्?

(b) सन्धिविच्छेदः क्रियताम् - अतोऽहंमि, सखीनिव।

(c) दुर्योधनः केन उपायेन धर्मविप्लवं निहन्ति।

(d) दुर्योधनस्य धनुर्धराः कीदृशा आसन्?

(e) 'कृतज्ञतामस्य वदन्ति सम्पदः' — कस्य विषये इयम् उक्तिः? कृतज्ञतायाः स्वरूपं कथमासीत्?

विभाग-'ख'

(f) 'आसीत् स दोलाचलचित्तवृत्तिः' — 'स' पदेन कः बोध्यः? कथं स दोलाचलचित्तवृत्तिः अभवत्?

(g) सीतापवादः पौरेषु कथं सञ्चारितः जातः?

(h) अर्थः लिख्यताम् — कौलीनम्, आलानिकम्।

(i) कल्पद्रुमः कः भवति?

(j) आत्मविसर्जने सीता कथं लक्ष्मणस्य अपराधं न गणयति?

विभाग-'ग'

(k) कालिदासस्य महाकाव्यस्य नामानि लिखत।

(l) भारवेः समयकालः कोऽस्ति? तस्य वचः केन तुल्यम्?

(m) भट्टिकाव्यस्य भिन्ननाम किमस्ति? काव्यस्यास्य मुख्यः रसः कः?

(n) 'सौन्दरनन्दम्' कस्य कृतिः? किं प्रकारकं च काव्यम्?

(o) बुद्धचरितस्य सर्गसंख्या का भवति? अत्र का रीतिः विशेषेण प्रयुक्ता?

2. निम्नलिखितेषु यथेच्छं *प्रश्नचतुष्टयं* लिख्यताम्। तन्मध्ये *प्रश्नद्वयं* अवश्यमेव संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20

(a) भावसम्प्रसारणं कुरु

ভাবসম্প্রসারণ করো।

अह दुरन्ता बलवद्विरोधिता

(b) अर्थ: लिख्यताम्—

অর্থ লেখো।

> सखीनिवप्रीतियुजोऽनुजीविनः
> समानमानान् सुहृदश्च बन्धुभिः।
> स सन्ततं दर्शयते गतस्मयः
> कृताधिपत्यामिव साधु बन्धुताम्॥

(c) अर्थ: लिख्यताम्—

অর্থ লেখো।

> स किंवदन्तीं वदतां पुरोगः, स्ववृत्तमुद्दिश्य विशुद्धवृत्तः।
> सर्पाधिराजोरुभुजोऽपसर्पं पप्रच्छ भद्रं विजितारि भद्रः॥

(d) भारतीय समाजे साहित्ये च रामायणस्य प्रभावः आलोच्यताम्।

ভারতীয় সমাজ ও সাহিত্যে রামায়ণের প্রভাব আলোচনা করো।

(e) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्।

সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো।

> अवैमि चैनामनघेति किन्तु लोकापवादो बलवान् मतो मे।
> छाया हि भूमे शशिनो मलत्वेन आरोपिता शुद्धिमतः प्रजाभिः॥

(f) नैषधचरितस्य विषयवस्तु आलोच्यताम्।

নৈষধচরিতের বিষয়বস্তু আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नद्वयं लिख्यताम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) तव पाठ्यांशानुसारेण सीतायाः विलापोक्तयः प्रकाश्यन्ताम्।

তোমাদের পাঠ্যাংশ অনুসারে সীতার বিলাপ উক্তিগুলি প্রকাশ করো।

(b) तव पाठ्यांशानुसारेण द्रौपद्याः चरितम् आलोच्यताम्।

তোমার পাঠ্যাংশ অনুসারে দ্রৌপদীর চরিত্র আলোচনা করো।

(c) टीका लिख्यताम्।

টীকা লেখো।

(i) शिशुपालवधम्

শিশুপালবধম্

(ii) कुमारसम्भवम्

কুমারসম্ভবম্

(d) भारवेरर्थगौरवम् — आलोच्यताम्।

भारवेरर्थगौरवम् — আলোচনা করো।

———

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS1051 (SEC)

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু *পञ্চানাং* প্রশ্নানামুত্তরং সুরগিরা দেবনাগরীলিপিমাশ্রিত্য প্রদেয়ম্। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় দেবনাগরী হরফে লিখতে হবে।

(a) নিম্নলিখিতেষু পদেষু কস্যচিত্ পদদ্বয়স্য বচনং বিভক্তিং চ নিরূপয়ত।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।

মুনিঃ, নদ্যৌ, মহান্তঃ, দিবি

(b) নিম্নলিখিতেষু পদেষু দ্বয়োঃ পদয়োঃ দ্বিতীয়া বিভক্তেঃ বহুবচনস্য রূপং লিখত।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি পদের দ্বিতীয়া বিভক্তির বহুবচনের রূপ লেখো।

মাতৃ, সুহৃদ, ধেনু, গো

(c) প্রদত্তেষু ধাতুরূপেষু দ্বয়োঃ পুরুষং বচনং চ নির্দিশত।

প্রদত্ত ধাতুরূপগুলির মধ্যে যেকোনো দুটির পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।

ইচ্ছামি, তিষ্ঠ, শাস্তি, দেহি

(d) প্রদত্তেষু দ্বয়োঃ লোট্-লকারস্য উত্তমপুরুষস্য দ্বিবচনে রূপং লেখনীয়ম্।

প্রদত্ত ধাতুগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি ধাতুর লোট্-লকারের উত্তম পুরুষের দ্বিবচনের রূপ লেখো।

গম্, পা, নৃত্, জ্ঞা

(e) 'লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী'-ইতি গ্রন্থস্য রচনাকালঃ লিখ্যতাম্।

'লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী' গ্রন্থের রচনাকাল লেখো।

(f) অনচি চ - অস্য সূত্রস্যার্থঃ লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদীম্ আশ্রিত্য লিখ্যতাম্।

অনচি চ - এই পাণিনীয় সূত্রটির অর্থ লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী গ্রন্থে যা উপদিষ্ট হয়েছে তা লেখো।

(g) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य व्युत्पत्तिं निरूपयत।
নিম্নলিখিত যেকোনো দুটি পদের ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো।
वाक्य, जायमान, श्रुत, मानव

(h) निम्नलिखितेषु द्वयोः परिनिष्ठितं रूपं लिखत।
নিম্নলিখিত যেকোনো দুটির পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখো।
$\sqrt{ज्ञा}$ + सन् + लट्-तिप्, $\sqrt{प्र}$ + आप् + ल्यप्, $\sqrt{पच्}$ + क्त, $\sqrt{दृश्}$ + लिट् + णल्

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোনো পাঁচটি পদ ব্যবহার করে সংস্কৃতভাষায় বাক্যগঠন করো।
वयम्, पठितुम्, सूर्यस्य, ग्राह्यम्, क्रीडति, नृपः, चिनोति

(b) 'नायकः'-इति प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां ससूत्रं प्रतिपादयत।
'नायकः'- এই প্রয়োগের সিদ্ধিপ্রক্রিয়া সূত্র-সহ প্রতিপাদন করো।

(c) 'सच्चरितम्'-इति प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां ससूत्रं प्रतिपादयत।
'सच्चरितम्'- এই প্রয়োগের সিদ্ধিপ্রক্রিয়া সূত্র-সহ প্রতিপাদন করো।

(d) सोदाहरणम् 'निष्ठा' प्रत्ययस्य व्यवहाराणि आलोचय।
উদাহরণ-সহ 'निष्ठा' প্রত্যয়ের ব্যবহারসমূহ আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *प्रश्नद्वयं* समाधेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) 'झलां जश् झशि', 'आद् गुणः' चेत्यनयोः द्वयोः सूत्रयोः व्याख्यानं क्रियताम्।
'झलां जश् झशि' এবং 'आद् गुणः'-এই সূত্র দুটির ব্যাখ্যা করো।

(b) 'ष्टुना ष्टुः' 'आदेः परस्य' चेत्यनयोः द्वयोः सूत्रयोः व्याख्यानं क्रियताम्।
'ष्टुना ष्टुः' এবং 'आदेः परस्य'-এই দুটি সূত্রের ব্যাখ্যা করো।

(c) संस्कृत-व्याकरणे केषु अर्थेषु 'सन्', 'यङ्' चेत्यनयोः द्वयोः प्रत्ययोः प्रयोगः परिलक्ष्यते? दृष्टान्तयोगेन तदालोच्यताम्।
সংস্কৃত ব্যাকরণে 'सन्' এবং 'यङ्' এই দুটি প্রত্যয়ের প্রয়োগ কোন কোন অর্থে হয়? দৃষ্টান্ত-সহ আলোচনা করো।

(d) कस्यचिदेकस्य धातोः पञ्चानां लकाराणां रूपाणि लिखत –
যেকোনো একটি ধাতুর পাঁচটি লকারের রূপ লেখো –
श्रु, सेव्

———